नशे के खिलाफ जन–जागरूकता अभियान

Adv. Lalit Joshi
Chairman
CIMS&UIHMT Group of College, Dehradun

पहाड़ के युवाओं को बर्बाद कर रहा है नशा: ललित जोशी

- छात्र-छात्राओं को युवा संवाद के जरिए किया जागरूक

भास्कर समाचार सेवा

नशे के खिलाफ जागरूक करते एडवोकेट ललित मोहन जोशी।

देहरादून। नशे को ना जिंदगी को हां की थीम पर नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए गुरूवार को श्रीनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट व रूद्रप्रयाग स्थित माई गोविंद गिरी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी पहुंची जहां मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने स्कूली छात्र-छात्राओं से युवा संवाद के जरिए नशे से दूर रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। अतः हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। संवाद कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल की एक छात्रा ने अपने साथियों को नशे से दूर रहने की अपील की।

युवा संवाद कार्यक्रम में माई गोविंद गिरी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी रूद्रप्रयाग के प्रधानाचार्य विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज श्रीकोट, श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती व समिति की टीम से मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह भी एवं दोनों सस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी सहित 1000 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

छात्रों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया

रुद्रप्रयाग। पहाड़ के युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक होकर अपने भविष्य को संवारना होगा। अनेक तरह से यहां के युवाओं को नशे की गर्त में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। नशे से दूर रहकर ही जीवन में आगे बढ़कर सफलता हासिल की जा सकती है। यह बात मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कही।

मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जोशी ने कहा कि समिति का प्रयास उत्तराखंड के स्कूली बच्चों एवं युवाओं में राष्ट्रनिर्माण को लेकर जोश भर रही है। युवाओं में जोश भरने का के लिए मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड अनेक जगहों पर जाकर स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ ही समाज को जागरूक कर रही है। एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए निरंतर पहाड़ के अनेक कोनों में जा रही है। गुरुवार को श्रीनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, श्रीकोट व रुद्रप्रयाग स्थित माई गोविंद गिरी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी में नशे के प्रति स्कूली छात्रों को जागरूक किया गया। छात्र-छात्राओं से युवा संवाद के जरिए नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है। जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर बेलनी के छात्रों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। छात्र-छात्राओं ने सीधे संवाद में शासन-प्रशासन से भी नशीले पदार्थों की बिक्री पर अकुंश लगाने की मांग की। इस मौके पर युवा संवाद कार्यक्रम में विद्या मंदिर बेलनी रुद्रप्रयाग के प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज श्रीकोट, श्रीनगर के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती के साथ ही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

विद्या मंदिर इंटर कालेज श्रीकोट श्रीनगर के छात्रों के साथ नशे के खिलाफ संवाद करते एडवोकेट ललितमोहन जोशी ● जागरण

नशा मुक्त समाज निर्माण में सभी सहयोगी बनें

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : 'नशे को ना और जिंदगी को हां' थीम पर गुरुवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज श्रीकोट गंगानाली में मानव अधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारण समिति उत्तराखंड के अध्यक्ष एडवोकेट ललितमोहन जोशी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से नशे के खिलाफ सीधा संवाद किया। इस अवसर पर छात्रों ने नशे से दूर रहने का संकल्प भी लिया।

छात्रों से संवाद करते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ललितमोहन जोशी ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में छात्रों और युवाओं की भूमिका बहुत प्रभावी है। वह इस अभियान में आगे आकर अभियान की सफलता के लिए पहल करें। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा मानव को शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से कमजोर कर देता है। नशे की गिरफ्त में युवाओं के आने से समाज की तरक्की में बाधा आती है। छात्रों के साथ संवाद करते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ललितमोहन जोशी ने छात्रों को आगाह करते हुए कहा कि कुछ विदेशी ताकतें भी हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फंसाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग भी नशे के धंधे से होती है।

उत्तराखंड के तीन सौ छात्र-छात्राओं को हर साल मुफ्त उच्च शिक्षा, मेडिकल-व्यावसायिक शिक्षा दिलाई जाएगी। कंबाइंड पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (सीआईएमएस) और यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से यह पहल की गई है। दून में गुरुवार को चेयरमैन ललित जोशी ने यह ऐलान किया।

हर साल तीन सौ छात्रों को मुफ्त शिक्षा देगा सीआईएमएस

देहरादून,कार्यालय संवाददाता। उत्तराखंड में प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति आंदोलन चला चुके समाज सेवी ललित जोशी ने कहा कि वे अपने संस्थानों में आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े कोर्स मुफ्त में कराएंगे।

उन्होंने जानकारी दी कि पत्रकार, राज्य आंदोलनकारी, आपदाग्रस्त क्षेत्रों और कोविड महामारी में निराश्रित परिवार, लोककलाकार-रंगकर्मी, सेना-अर्द्धसैनिक बल और पुलिस के शहीद जवानों के परिवारों से इन छात्र-छात्राओं को लिया जाएगा। इस दौरान लोकगायिका पद्मश्री डॉ. माधुरी बर्थवाल, कूर्मांचल परिषद अध्यक्ष कमल रजवार, गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, धाद संस्था के महामंत्री तन्मय ममगाईं, पूर्व कर्नल ठाकुर सिंह, राज्य आंदोलनकारी परिषद के प्रदीप कुकरेती, बलूनी स्कूल के एमडी विपिन बलूनी, आंदोलनकारी रविंद्र जुगरान, शिक्षाविद डॉ. सुशील राणा, बबीता शाह लोहनी और गिरीश सनवाल भी मौजूद रहे।

सीएम की तारीफ की: इस दौरान अभिनेता हेमंत पांडेय ने सीएम पुष्कर धामी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि धामी युवा मुख्यमंत्री हैं और उनका अनुभव बढ़ेगा। उनका विजन अच्छा है और वह कई अच्छे काम कर रहे हैं। पांडेय ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देवभूमि की मिट्टी में जादू है। यहां हर जगह शूटिंग के लिए शानदार है। यहां सीमेंट का ढांचा न बनाकर प्रकृति को प्रकृति के रूप में ही संवारा जाना चाहिए।

देहरादून में गुरुवार को मीडिया से बात करते समाजसेवी ललित जोशी और साथ में हैं बॉलीवुड अभिनेता हेमंत पांडेय। • हिन्दुस्तान

'पहले आओ-पहले पाओ'

बताया गया कि जरूरतमंद छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2022 होगी। पहले आओ-पहले पाओ आधार सीटें आवंटित होंगी। संरक्षक एवं सीएमआई के अध्यक्ष डॉ. महेश कुड़ियाल ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा दिलाएं तो इससे बड़ा पुण्य नहीं है।

पांडेय बने ब्रांड एंबेसडर

जोशी के अनुसार, अभिनेता पांडेय बतौर ब्रांड एंबेसडर इसका प्रचार करेंगे। इस दौरान पांडेय ने जोशी की पहल सराही। उन्होंने कहा, यह दिल को छू लेने वाला है। समाजहित मे काम करना अच्छे इंसान का प्रमाण है। देवभूमि के लिए हम जो कर रहे हैं, वह कुछ भी नहीं है।

इन कोर्सों में प्रवेश

- बीएससी मेडिकल माइक्रो बायोलॉजी, बीएससी ऑप्टोमेट्री, बीएससी पैथोलॉजी, बैचलर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, बीबीए, बीसीए, बीएससी-आईटी, बीए ऑनर्स, मॉस कॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीएचएम, डीएचएम, बीए, बीकॉम, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर इन एचएम, एमएससी बायोकैमेस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी और एमएलटी।
- पीजी डिप्लोमा : योगा साइंसेज, योगा, फिटनेस एंड स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, बिजनेस अकाउंटिंग एंड टेक्सेसन, जर्नलिज्म एंड मॉस कम्यूनिकेशन के साथ वाटर सेनेटाइजेशन एंड हाइजीन।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को देंगे निशुल्क शिक्षाः जोशी

• सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ने की बड़ी पहल

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज ने बड़ी पहल करते हुए उत्तराखंड के आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्र छात्राओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करने का फ़ैसला लिया है। कॉलेज न सिर्फ़ उच्च शिक्षा बल्कि सामाजिक सरोकारों मे भी अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। ग्रुप के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी सजग इंडिया के माध्यम से बीते 15 सालों से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

अपनी इस पहल को आगे बढ़ाते हुए अब उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए उत्तराखंड के आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि संस्थान ने यह निर्णय लिया है कि हम अपने निजी शिक्षण संस्थान में 300 छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष निःशुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे, ताकि वह आगे बढ़कर अपने परिवार के भरण-पोषण के साथ-साथ प्रदेश एवं देश के काम आ सकें एवं व्यसनमुक्त समाज के निर्माण में भागीदार बन सकें। प्रेस वार्ता के दौरान राज्य आंदोलनकारी व जनकवि अतुल शर्मा ने संस्थान की इस मुहिम को सराहा। प्रेस वार्ता में मौजूद बॉलीवुड कलाकार हेमंत पांडे ने भी संस्थान की इस पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि वह संस्थान के इस प्रयास का प्रचार-प्रसार ब्रांड एंबेसेडर के तौर पर निःशुल्क रूप में करेंगे। प्रेस वार्ता को लोकगायिका पद्मश्री डॉ. माधुरी बर्थवाल, सीएमआई अस्पताल के चेयरमैन डॉ. महेश कुड़ियाल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कमल रजवार, पदम सिंह थापा, धात संस्था के महामंत्री तन्मय ममगाई, रिटायर्ड कर्नल ठाकुर सिंह, राज्य आंदोलनकारी परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुकरेती, बलूनी स्कूल के प्रबंध निदेशक विपिन बलूनी, रविंद्र जुगरान, प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र अन्थवाल, महासचिव ओपी बिंजवाल, डॉ. शुशील राणा, बबिता शाह लोहनी, गिरीश सनवाल आदि मौजूद रहे।

पत्रकारो से वार्ता करते ग्रुप के चेयरमैन ललित मोहन जोशी।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को मिलेगी निशुल्क उच्च शिक्षा

देहरादून। सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज ने प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्र-छात्राओं को निशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करने का फैसला लिया है। यह जानकारी ग्रुप के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने दी।

बृहस्पतिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से कहा कि कई छात्र-छात्राओं की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से वह उच्च शिक्षा नहीं ले पाते। इसी के चलते उन्होंने प्रतिवर्ष ऐसे बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया है। प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2022 रखी गई है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सीटें आवंटित की जाएंगी।

जनकवि अतुल शर्मा ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस से पहले राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए बड़ा तोहफा है। बॉलीवुड अभिनेता हेमंत पांडे ने कहा कि वह संस्थान के प्रयास का प्रचार-प्रसार ब्रांड एंबेसडर के तौर पर निशुल्क करेंगे। इस मौके पर लोकगायिका पद्मश्री डॉ. माधुरी बर्थवाल, सीएमआई अस्पताल के चेयरमैन डॉ. महेश कुड़ियाल, कुमांचल परिषद के अध्यक्ष कमल रजवार, गोरखाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, धाद संस्था के महामंत्री तन्मय ममगाईं, राज्य आंदोलनकारी परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुकरेती, बलूनी स्कूल के प्रबंध निदेशक विपिन बलूनी आदि मौजूद रहे। संवाद

मदद

जोशीमठ आपदा प्रभावितों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। जोशीमठ आपदा प्रभावितों के बच्चों को सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराएगा। छात्र-छात्राओं को मुफ्त उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा एवं चिकत्सा शिक्षा प्रदान करने का फैसला कॉलेज प्रबंधन ने लिया है। इससे पहले कोरोना में अनाथ एवं आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्र-छात्राओं को हर साल मुफ्त शिक्षा का ऐलान भी संस्थान कर चुका है।

कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि जोशीमठ इस वक्त एक बड़ी विपदा से जूझ रहा है। भू-धंसाव के कारण जोशीमठ के लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रह रहे हैं। जिससे उनके काम धंधों के साथ उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हुई है। संस्थान जोशीमठ के लोगों के साथ खड़ा है। आपदा प्रभावित किसी भी बच्चे की उच्च शिक्षा प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। गौरतलब है कि जोशी 'सजग इंडिया' के माध्यम से लंबे समय से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

ललित जोशी। • हिन्दुस्तान

- सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज ने की घोषणा
- ललित जोशी बोले जोशीमठ इस वक्त एक बड़ी विपदा से जूझ रहा

जोशीमठ आपदा प्रभावित छात्रों को देंगे निशुल्क उच्चशिक्षा: जोशी

भास्कर समाचार सेवा

- सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ़ कॉलेज ने की पहल

देहरादून। सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज ने अपने सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को अपने संस्थान के शैक्षिक परिषद् की बैठक में जोशीमठ भूधंसाव प्रभावित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा, ब्यवसायिक शिक्षा एवं चिकत्सा शिक्षा प्रदान करने का फ़ैसला लिया है। गणत्रंत दिवस से पूर्व उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित जोशीमठ क्षेत्र के युवाओं के लिए यह राहतभरी खबर है। संस्थान कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों व प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर योग्य 300 छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। जिसका एमओयू भी सस्थान द्वारा निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड के साथ आज किया गया है ताकि ऐसे विधार्थियों को स्कूल स्तर से चिह्नित करने में आसानी हो। अब संस्थान ने जोशीमठ आपदा प्रभावित बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए उन्हें निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करने का ऐलान किया है। सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि जोशीमठवासी अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रह रहे हैं जिससे उनके काम धंधों के साथ उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हुई है। सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज न सिर्फ़ उच्च शिक्षा बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। ग्रुप के चेयरमैन ललित मोहन जोशी बीते 15 सालों से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

यूआईएचएमट ग्रुप ऑफ कॉलेज की अच्छी पहल

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। जोशीमठ आपदा प्रभावित विधार्थियों को देहरादून में स्थित सीआईएमएस एवं यूआईएचएमट ग्रुप ऑफ कॉलेज ने एक निशुल्क शिक्षा देनी की अच्छी पहल की है। कॉलेज वर्तमान में कई छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षा दे रहा है। छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षा देकर कई छात्राओं का भविष्य बनान का काम हीं नहीं कर रहे है अपितु वह एक सच्चे मायने में उनके अभिभावक बनकर पुनीत कार्य भी कर रहे है जिसकी जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। अअपने सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को अपने सस्थान के शैक्षिक परिषद् की बैठक में जोशीमठ भूधंसाव प्रभावित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क उच्च शिक्षा, ब्यवसायिक शिक्षा एवं चिकत्साशिक्षा प्रदान करने का फ़ैसला लिया है। गणत्रंत दिवस से पूर्व उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित जोशीमठ क्षेत्र के युवाओं के लिए यह राहतभरी खबर है। संस्थान कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों व प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर योग्य 300 छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। जिसका एमओयू भी सस्थान द्वारा निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड के साथ आज किया गया है ताकि ऐसे विधार्थियों को स्कूल स्तर से चिह्नित करने में आसानी हो। अब संस्थान ने जोशीमठ आपदा प्रभावित बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए उन्हें निःशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करने का ऐलान किया है।

- जोशीमठ आपदा प्रभावित विधार्थियों मिलेगी निशुल्क उच्चशिक्षा
- कॉलेज के चेयरमैन ने की घोषणा

जोशीमठ इस वक्त एक बड़ी विपदा से जूझ रहा है। भूधसाव के कारण जोशीमठवासी अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रह रहे हैं जिससे उनके काम धन्धों के साथ उनके बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हुई है। इस विपदा की घड़ी में हमारा संस्थान जोशीमठ वासियों के साथ खड़ा है और आपदा प्रभावित किसी भी बच्चे की उच्च शिक्षा प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। कॉलेज न सिर्फउच्च शिक्षा बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। ग्रुप के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी सजग इंडिया के माध्यम से बीते 15 सालों से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

-ललित मोहन जोशी
(चेयरमैन)
सीआईएमएस एवं , यूआईएचएमट ग्रुप ऑफ कॉलेज

इन पाठयक्रमों में दिया जाएगा निशुल्क प्रवेश: जोशी

(बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बी.एससी ऑप्टोमेट्री, बी.एससी.पैथोलॉजी, बीएससी रेडियोलॉजी, बीएससी फिजियोथेरेपी, बीएससी ऑपरेशन थियेटर टैक्नोलॉजी, बैचलर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, बीबीए, बीसीए, बी.लिब, एम.लिब, बी.एससी.आईटी, बीए (ऑनर), एमएसडब्ल्यू, बीए (टूरिज्म) , मास कम्युनिकेशन, बी.कॉम (ऑनर्स।), बीएएम, डीएचएम, बीए, बी.कॉम, बी.एससी। (पीसीएम / जेडबीसी), मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर इन होटल मैनेजमेंट, एम.एससी। बायोकैमिस्ट्री, एम.एससी.माइक्रोबायोलॉजी, एम.एससी.एमएलटी, पी.जी. योग विज्ञान डिप्लोमा, पी.जी. फिटनेस और खेल प्रबंधन में डिप्लोमा, पी.जी. व्यापार लेखा और कराधान में डिप्लोमा, पी.जी. पत्रकारिता और जनसंचार में डिप्लोमा, पी.जी. जल स्वच्छता और स्वच्छता में डिप्लोमा)

'नशे का रास्ता आसान पर इसका अंजाम भयानक'

- भ्रष्टाचार निवारक समिति ने चलाया जागरूकता अभियान
- कहा, नशा शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से नुकसान करता है

मुनस्यारी। नगर के जीआईसी में मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति ने जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान समिति ने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की अपील की।

सोमवार को एडवोकेट ललित जोशी के नेतृत्व में समिति की टीम विद्यालय पहुंची। इस दौरान जोशी ने कहा कि नशा देश की बर्बादी के प्रमुख कारण में से एक है। उन्होंने कहा कि नशे का रास्ता तो आसान है, लेकिन इसका अंजाम भयानक है। नशे के जाल में फंसकर कई लोग अपनी जिंदगी बर्बाद कर चुके हैं। कहा नशा शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से नुकसान करता है। प्रधानाचार्य हेम चन्द्र कश्यप ने कहा कि वर्तमान में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बेहद जरूरी है। यहां गजराज पांगती, हरीश नाथ, पूरन चंद, हेम लोहनी, राजेश डोभाल, खीम रिंगवाल, कैलाश कोरंगा, गणेश धामी मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ जंग, मिलकर लड़ेंगे हम : जोशी

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

1500 सौ छात्र-छात्राएं रहे शामिल

- नशा मुक्त पिथौरागढ़ का लिया संकल्प
- विवेकानन्द विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में छात्रों से किया संवाद

पिथौरागढ़। प्रदेश के स्कूलों में नशा उन्मूलन का अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को पिथौरागढ़ पहुंची जहां मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने विवेकानन्द विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जाखनी पिथौरागढ़, स्टफर्ड पब्लिक स्कूल पिथौरागढ़ के छात्र-छात्राओं से संवाद किया।

उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है, जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशे के जाल में फंसाना चाहती हैं। इससे सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अंजाने में नशा करने वाले युवा आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं अतः हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये। वह अपने प्रेरणादायक विचारों से युवाओं में देशप्रेम व माता-पिता के प्रति प्रेम की भावना जगा गए।

युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई

एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाते हुए कहा कि जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। उन्होंने कहा कि कंकड़ पत्थर में कैदने वाला बच्चा भी इस इतिहास बदलने की ताकत रखता है, और पिथौरागढ़ के स्कूलों में पढ़ने वाला युवा भी अपनी माता-पिता की भावनाओं को सम्मान करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि हो गई रात पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से एक गंगा निकलनी चाहिए, मेरे सीने में ना सही तेरे सीने में सही हो कहीं भी एक आग निकलनी चाहिए। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मकसद नहीं मेरा, इस पिथौरागढ़ से नशामुक्त समाज कि लिए एक नई ऊर्जा निकलनी चाहिए। उनके इन विचारों से स्कूलों के युवा काफी प्रभावित हुए, इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने विचार साझा किए और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। स्कूलों के कई छात्रों ने स्वीकार कि वह भी नशा करते हैं लेकिन आज के बाद उन्होंने नशा न करने का संकल्प लिया संवाद के अंत में दोनों स्कूलों के छात्र- छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले युवाओं को मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

मानवाधिकार संरक्षण समिति अध्यक्ष ने किया छात्र-छात्राओं से संवाद

पिथौरागढ़। प्रदेश के स्कूलों में नशा उन्मूलन अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के सदस्य अपने अभियान के तहत पिथौरागढ़ पहुंचे। यहां समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने नगर के विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज और स्टफर्ड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया।

उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक रूप से कमजोर तो करता ही है, साथ राष्ट्र निर्माण में भी बाधक बनता है। जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा, उस देश के लिए समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशे के जाल में फंसाना चाहती हैं। इससे सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अंजाने में नशा करने वाले युवा आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। अत: हम सबको नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये।

इस दौरान स्कूलों के कई छात्रों ने स्वीकारा कि वे भी नशा करते हैं। लेकिन आज के बाद उन्होंने नशा न करने का संकल्प लिया। संवाद के अंत में दोनों स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। संवाद में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र दिये गये।

संवाद कार्यक्रम में विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज जाखनी पिथौरागढ़ के प्रधानाचार्य कृष्ण वर्धन जोशी, अध्यापक खुशाल नेगी, स्टेफर्ड पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर राकेश देवलाल, स्कूल की प्रधानाचार्या कल्पना देवलाल, समाजसेवी, एकलव्य डिफेंस अकादमी के निदेशक ललित सामन्त एवं मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की टीम के मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह सहित 1500 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

नशे से शारीरिक और मानसिक कमजोरी

छात्रों को नशे के खिलाफ जागरुक करते एड.ललित जोशी। संवाद

पिथौरागढ़। प्रदेश के स्कूलों में नशा उन्मूलन अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति ने विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और स्टेफर्ड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं से संवाद किया।

समिति के अध्यक्ष एड.ललित मोहन जोशी ने कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक, मानसिक रूप से कमजोर तो करता ही है। उन्होंने कहा कि जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई।

युवाओं को समिति की ओर से सम्मानित किया गया। वहां विवेकानंद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य कृष्णवर्द्धन जोशी, खुशाल नेगी, स्टेफर्ड स्कूल के निदेशक राकेश देवलाल, प्रधानाचार्य कल्पना देवलाल, ललित सामंत, मोहित बिष्ट, योगेश चिराल आदि मौजूद रहे। संवाद

हम बदलेंगे, जग बदलेगा- ललित जोशी

युवाओं ने स्वयं को नशा मुक्त रखने का लिया संकल्प

देहरादून, संवाददाता। जो भरा नहीं ह भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। प्रदेश में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चला रहे मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने जब रामकुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज खटीमा में इन पंक्तियों के साथ युवाओं के बीच अपने संवाद की शुरुआत कि तो पूरा स्कूल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा।

प्रदेश में नशा उन्मूलन पर कार्य कर रही समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए सोमवार कोऊधमसिंह नगर जनपद पहुंची जहां खटीमा स्थित कॉलेज में समिति के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया।

संवाद के दौरान उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि पूरा विश्व आज भारत को युवाओं के देश के रूप में देखता है लेकिन यहाँ के कुछ युवा इम्प्रेशन जमाने, दोस्तों के साथ पार्टी मनाने या किसी अवसाद के चलते भी नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं।

उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फँसाना चाहते हैं। संवाद के अंत में छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले युवाओं को मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम प्रतिभाग करने वाले युवाओं को मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम में रामकुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य बी.एस. बोरा, अध्यापक बसन्त बल्लभजोशी एवं मानवाधिकार संरक्षण समिति की टीम से मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह स्कूल के शिक्षक एवं कर्मचारीगण सहित 1000 से अधिक छात्र-छात्राए शामिल रहे।

लोहघाट के छात्र छात्राओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

लोहघाट, इंडिया वार्ता ब्यूरो। प्रदेश के स्कूलों में नशा उन्मूलन का अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए आज लोहाघाट पहुँची जहां मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज लोहाघाट, ओकलैंड पब्लिक स्कूल लोहाघाट के छात्र- छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है, जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फँसाना चाहते हैं, जिससे कि वह हमारे देश के युवाओं को उनके लक्ष्य से भटकाकर देश की जड़ों को कमजोर कर सकें। उन्होंने बताया कि आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंकवाद को बढ़ावा देते है। अत: हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये। वह अपने प्रेरणादायक विचारों से युवाओं में देशप्रेम व माता-पिता के प्रति प्रेम की भावना जगा गए। एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाते हुए कहा कि जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। उन्होंने कहा कि कंकड़ पत्थर में बैठने वाला बच्चा भी इतिहास बदलने की ताकत रखता है, और लोहाघाट के स्कूलों में पढ़ने वाला युवा भी अपनी माता-पिता की भावनाओं को सम्मान करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। उनके विचारों से स्कूलों के युवा काफी प्रभावित हुए, इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने विचार साझा किए और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

छात्र-छात्राओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

● जनवाणी संवाददाता, देहरादून/लोहाघाट

स्कूलों में नशा उन्मूलन का अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति अपने अभियान को जारी रखते हुए आज लोहाघाट पहुँची जहां मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज लोहाघाट, ओकलैंड पब्लिक स्कूल लोहाघाट के छात्र- छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर तो करता ही है साथ राष्ट्रनिर्माण में भी बाधक बनता है, जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फँसाना चाहते हैं, जिससे कि वह हमारे देश के युवाओं को उनके लक्ष्य से भटकाकर देश की जड़ों को कमजोर कर सकें। अतः हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये। वह अपने प्रेरणादायक विचारों से युवाओं में देशप्रेम व माता-पिता के प्रति प्रेम की भावना जगा गए।

एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने युवाओं से कहा कि जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। उन्होंने कहा कि कंकड़ पत्थर में बैठने वाला बच्चा भी इतिहास बदलने की ताकत रखता है, और लोहाघाट के स्कूलों में पढ़ने वाला युवा भी अपनी माता-पिता की भावनाओं को सम्मान करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। उनके विचारों से स्कूलों के युवा काफी प्रभावित हुए, इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने विचार साझा किए और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। स्कूलों के कई छात्रों ने स्वीकारा कि वह भी नशा करते हैं लेकिन आज के बाद उन्होंने नशा न करने का संकल्प लिया संवाद के अंत में दोनों स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। वही बाल कल्याण समिति चम्पावत के सदस्य राजेंद्र गरकोटी ने युवाओं को नशा मुक्त लोहाघाट बनाने के लिए प्रेरित करते हुए ललित जोशी एवं उनकी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। युवा संवाद कार्यक्रम में विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज लोहाघाट के प्रधानाचार्य गगन सिंह बोरा उप प्रधानाचार्य नंद किशोर पुनेठा, अध्यापक रेबाधार बिनवाल, अखिलेश जोशी, बाल कल्याण समिति चंपावत के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र गड़कोटी ,ओकलैंड पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर लोकेश पांडेय, मनमोहन भंडारी, अजय गोरखा , लोकेश पांडेय मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की टीम से मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल, दीवान सिंह एवं दोनों सस्थान के शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

नशा है राष्ट्र निर्माण में बाधकः जोशी

स्कूली बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते मानवाधिकार संरक्षण और अन्य।

हल्द्वानी, 16 फरवरी (स.ह.): प्रदेश के स्कूलों में नशा उन्मूलन का अभियान चला रही मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के लोगों ने अपने अभियान को जारी रखते हुए आज लोहाघाट के विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज लोहाघाट, ओकलैंड पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट ललित जोशी ने कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर करता है, साथ ही नशा राष्ट्रनिर्माण के लिए बाधक बनता है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओ को नशे के जाल में फंसाने के लिए कुछ विदेशी ताक़तें षड्यंत्र रच रही है। श्री जोशी ने युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाते हुए कहा कि कंकड़ पत्थर में बैठने वाला बच्चा भी इतिहास बदलने की ताक़त रखता है, और लोहाघाट के स्कूलों में पढ़ने वाला युवा भी अपनी माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। संवाद के अंत में दोनों स्कूलों के छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले युवाओं को मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विवेकानन्द विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज लोहाघाट के प्रधानाचार्य गगन सिंह बोरा, उप प्रधानाचार्य नंद किशोर पुनेठा, अध्यापक रेबाधार बिनवाल, अखिलेश जोशी, बाल कल्याण समिति चम्पावत के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र गड़कोटी, ओकलैंड पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर लोकेश पांडेय, मनमोहन भंडारी, अजय गोरखा, लोकेश पांडेय मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की टीम से मोहित बिष्ट, योगेश चिराल, हिमांशु कांडपाल आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

लोहाघाट में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम बताते एडवोकेट जोशी। संवाद

लोहाघाट (चंपावत)। मानवाधिकार संरक्षण और भ्रष्टाचार निवारक समिति देहरादून की ओर से नगर के विद्यालयों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के साथ इससे दूर रहने का संकल्प दिलाया। मानवाधिकार संरक्षण समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने ओकलैंड पब्लिक स्कूल, विवेकानंद विद्यामंदिर के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। उन्होंने युवाओं को नशे के सेवन से होने वाले नुकसान बताए। कहा कि आज कुछ विदेशी ताकतें हमारे देश के युवाओं को नशे रूपी जाल में फंसकर उन्हें उनके लक्ष्य से भटकाकर देश की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेंद्र गड़कोटी ने मानवाधिकार संरक्षण समिति का आभार जताया। समिति की ओर से कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिए गए। इस मौके पर ओपीएस के प्रबंधक लोकेश पांडेय, विद्यामंदिर के प्रधानाचार्य गगन सिंह बोरा, नंद किशोर पुनेठा, रेवाधर बिनवाल, अखिलेश जोशी, राजेंद्र गड़कोटी, मनमोहन भंडारी, अजय गोरखा आदि मौजूद रहे। संवाद

नशे से दूर रह कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा: ललित जोशी

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए पूरे समाज को लेनी होगी जिम्मेदारी

देहरादून(बद्री विशाल)। देहरादून। मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि युवा संवाद कार्यक्रम के जरिए वह विगत पन्द्रह से अधिक वर्षों से नशा उन्मूलन को लेकर प्रयासरत हैं वर्ष दो हजार पांच में हल्द्वानी से उन्होंने इस अभियान की शुरूआत की थी। अब तक लाखों युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर चुके हैं। आगे भी उनका यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। हरिद्वार रोड स्थित एक होटल में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि हाल ही में वह प्रदेश भर के सभी जनपदों में पचास से अधिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं से संवाद कर लौटे हैं। उन्होने बताया इस वर्ष जनवरी माह के प्रथम चरण की शुरूआत ऋषिकेश, देहरादून से करते हुए टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, चमोली , बागेश्वर कपकोट, पिथौरागढ़, मुनस्यारी, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल, अल्मोड़ा हरिद्वार में चालीस हजार से अधिक युवाओं से सीधा संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई।

उन्होंने बताया कि अब तक युवा संवाद के जरिए सजग कड़ियां के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, युवाओं की दशा और दिशा, आतंक का हथियार नशा, विषय पर एक हजार पांच सौ से अधिक स्कूलों में सात लाख छात्र-छात्राओं को युवा संवाद कार्यक्रम से जोड़ा गया है। इस कार्यक्रम को सजग इंडिया यू-ट्यूब पर साठ मिलियन से अधिक लोग देख चुके हैं, जबकि देशभर से दो लाख पैंतीस हजार लोग इस मुहिम के सदस्य बन चुके हैं।

उन्होंने बताया पूरा विश्व आज भारत की युवाओं के देश के रूप में देखता है लेकिन देश एवं प्रदेश की अधिकांश युवा पीढ़ी जाने अनजाने में नशे के गिरफ्त में जा रहे हैं। आज नशा आतंक का एक हथियार बन चुका है। नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार आतंकवादी, अलगाववादी संगठनों को नशे के कारोबार से सबसे ज्यादा फंडिंग होती है। इसलिए कुछ संगठनों द्वारा देश एवं प्रदेश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने हेतु नशे के जाल में फंसाया जा रहा है। जिसमें उत्तराखण्ड के युवा भी अब पीछे नहीं हैं। आज स्मैक एवं अन्य नशीले पदार्थ उत्तराखण्ड के गांव-गांव तक अपना पैर पसार चुके हैं। उन्होंने कहा हम सबका कर्तव्य है कि पुलिस- प्रशासन के साथ मिलकर नशे के खिलाफ इस जंग में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें एवं व्यसनमुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड का भी संकल्प है कि 2025 तक देश-प्रदेश का युवा व्यसनमुक्त बने। यह तभी संभव होगा जब सामाजिक संस्थाएं, शिक्षण संस्थाएं तथा समाज का प्रत्येक नागरिक प्रशासन एवं पुलिस का कंधे से कंधा मिलाकर इस मुहिम में साथ दें।

पत्रकारो को संबोधित करते हुए हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड, के कूलपति डॉ. हेम चन्द्रा ने कहा कि समाज में नशा आज एक जहर के रूप में घुल चुका है, हमें इस जहर से अपने बच्चों को बचाना होगा। उन्होंने एडवोकेट जोशी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे अपना सब कुछ छोड़कर पहाड़ों में युवाओं के बीच पहुचकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक कर सकते हैं तो हमें भी उनके इस प्रयास को सहयोग देना चाहिए।आईपीएस मणिकांत मिश्रा कमांडेट एस.डी.आर.एफ. उत्तराखण्ड, ने नशे के खिलाफ प्रदेश में किए गए कार्यों को साझा करते हुए अपने बागेश्वर और उत्तरकाशी जनपद के अनुभव साझा किए।उन्होंने कहा हमेंस्कूली बच्चों को ही सुधारना है, क्योंकि 15 से 25 साल के युवा सुधर गए तो वह दूसरों को भी सुधार सकते हैं। लेकिन 35 साल के युवा को समझाकर नहीं बल्कि सजा देकर ही सुधारा जा सकता है।

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्ट्राचार निवारक समिति ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों ने प्रतिभाग किया।

एडवोकेट **ललित मोहन जोशी** ने कहा कि देश एवं प्रदेश की अधिकांश युवा पीढ़ी जाने अनजाने में नशे के गिरफ्त में जा रहे हैं, और आज नशा आतंक का एक हथियार बन चुका है। नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार आतंकवादी, अलगाववादी संगठनों को नशे के कारोबार से सबसे ज्यादा फंडिंग होती है।

हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के **कुलपति डॉ. हेम चन्द्रा** ने कहा कि समाज में नशा आज एक जहर के रूप में घुल चुका है, हमें इस जहर से अपने

■ युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए पूरे समाज को लेनी होगी जिम्मेदारी ■ युवा पीढ़ी ही राष्ट्र निर्माण की रीढ़ की हड्डी है

बच्चों को बचाना होगा।

आईपीएस **मणिकांत मिश्रा** कमांडेट एस.डी.आर.एफ. ने नशे के खिलाफ प्रदेश में किए गए कार्यों को साझा करते हुए अपने अनुभव साझा किए और कहा कि हमें स्कूली बच्चों को ही सुधारना है क्योंकि 15 से 25 साल के युवा सुधर गए तो वह दूसरों को भी सुधार सकते हैं।

पद्मश्री लवराज सिंह धर्मशक्तू असिस्टेंट कमांडेंट बीएसएफ ने अपने बचपन का एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि बचपन में उन्होंने एक बार नशा करने की गलती की थी, लेकिन सही समय पर उनके पड़ोसी ने उन्हें टोककर सही राह दिखाई थी।

सेवानिवृत्त जिला जज एवं सदस्य राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण **गिरधर सिंह धर्मशक्तू** ने अपने विचार रखते हुए कहा कि बच्चों में नशे की लत लगना एक गंभीर समस्या है, आज आधुनिकता की होड़ में युवकों के साथ युवतियां भी नशा कर रहीं हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) इंस्ट्रक्टर आईएमए दून एवं ओटीए चेन्नई **करुणा थपलियाल** ने कहा हमारे शासन-प्रशासन को अपनी आय बढ़ाने के लिए नशे के उत्पादों के बजाय शिक्षण संस्थानों को बढ़ावा देना चाहिए। हमें टोको और रोको की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

उत्तरांचल प्रेस क्लब के **अध्यक्ष अजय राणा** ने कहा कि आज प्रदेश का विकास हो ना हो ना लेकिन नशा जरूर विकास कर चुका है, आज नशा पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच चुका है।

आईपीएस **राम सिंह मीणा** (सेवानिवृत्त), रमेश भट्ट, काव्य, कविन्द्र सिंह मेहता ने भी अपने विचार साझा किए। जीसी पंचोली, जीपी रतूड़ी, मेजर ललित सामंत(सेवानिवृत्त), पवन शर्मा, डॉ. महेश कुडियाल, रमेश चन्द्र जोशी, संजय जोशी, मोहित बिष्ट, उमेश जोशी आदि लोग मौजूद रहे।

सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित किए गए कई कार्यक्रम

छात्र-छात्राओं को दिया 'नशे को ना, जिंदगी को हां का संदेश'

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कुंआवाला स्थित सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, भाषण कार्यक्रमों के जरिए कैंसर से कैंसर से बचाव व उसकी समय पर पहचान के लिए जागरुक किया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, प्रायः देखा गया है कि तंबाकू, धूम्रपान एवं शराब जैसे मादक पदार्थों का सेवन करने वाला व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाता है। उन्होंने नशे को ना, जिंदगी को हां का संदेश देते हुए छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील की और बताया कि आतंकवाद को सबसे ज़्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंक वाद को बढ़ावा देते है। अतः हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता का संदेश देती छात्राएं।

विश्व कैंसर दिवस प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को इसकी रोकथाम, जल्द पहचान और उपचार के बारे में शिक्षित और प्रेरित करना है। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर से होने वाली बीमारी और मृत्यु को कम करना है। विश्व कैंसर दिवस का महत्व विश्व कैंसर दिवस कैंसर के वैश्विक प्रभाव के बारे में बताता है, यह बहुमूल्य मानव जीवन के नुकसान को कम करने के लिए शीघ्र पहचान और उपचार की जरूरत पर जोर देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह दिन दुनिया भर में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर कैंसर के नकारात्मक परिणामों को कम करने के लिए सहयोग करने के लिए व्यक्तियों, सरकारों और संगठनों के लिए कार्रवाई का आह्वान भी है।

कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

अपील

- **छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, भाषण के माध्यम से कैंसर से बचाव को लेकर किया जागरूक**

देहरादून,लोकसत्य।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर देहरादून के कुंआवाला स्थित सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी रुप ऑफ कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक,भाषण के माध्यम से कैंसर से बचाव व उसकी समय पर पहचान के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये। छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, प्रायः देखा गया है कि तंबाकू, धूम्रपान एवं शराब जैसे मादक पदार्थों का सेवन करने वाला

व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाता है। उन्होंने नशे को ना, जिंदगी को हां का संदेश देते हुए छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील की, और बताया कि आतंकवाद को सबसे ज़्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंक वाद को बढ़ावा देते है। इसलिए हम सभी को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये। बताया कि विश्व कैंसर दिवस प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को इसकी रोकथाम, जल्द पहचान और उपचार के बारे में शिक्षित और प्रेरित करना है।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर देहरादून के कुआंवाला स्थित सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने छात्रों को जागरूक किया। ● हिन्दुस्तान

सीआईएमएस में किया कैंसर के प्रति जागरूक

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कुआंवाला स्थित सीआईएमएस व यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, भाषण कार्यक्रमों के जरिए कैंसर से बचाव व उसकी समय पर पहचान के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिसका अक्सर बहुत देर में पता चलता है। कभी शौक तो बाद में लत के चलते तंबाकू, धूम्रपान व शराब जैसे मादक पदार्थों का सेवन करने वालों में इसकी सबसे ज्यादा संभावना रहती है। उन्होंने नशे को ना, जिंदगी को हां का संदेश देते हुए छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील की। कहा कि आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंकवाद को बढ़ावा देते है। ऐसे में हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये।

उन्होंने युवाओं से भी नशे और कैंसर के खिलाफ एकजुट होकर काम करने की बात कही। साथ ही इसमें तमाम सरकारी,गैर सरकारी व अन्य तरह के संस्थानों को भी सहयोग देने की अपील भी की।

नशा आतंक का हथियार

'नशे को ना, जिंदगी को हां' का दिया नारा

देहरादून। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर देहरादून के कुंआवाला स्थित सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी रुप ऑफ कॉलेज में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, भाषण कार्यक्रमों के जरिए कैंसर से कैंसर से बचाव व उसकी समय पर पहचान के लिए जागरुक किया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, प्राय देखा गया है कि तंबाकू, धूम्रपान एवं शराब जैसे मादक पदार्थों का सेवन करने वाला व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाता है। उन्होंने 'नशे को ना, जिंदगी को हां' का संदेश देते हुए छात्र-छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील की और बताया कि आतंकवाद को सबसे ज्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंक वाद को बढ़ावा देते है। अत हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये।

कैंसर दिवस प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को इसकी रोकथाम, जल्द पहचान और उपचार के बारे में शिक्षित और प्रेरित करना है। विश्व कैंसर दिवस का महत्वविश्व कैंसर दिवस कैंसर के वैश्विक प्रभाव के बारे में बताता है, यह बहुमूल्य मानव जीवन के नुकसान को कम करने के लिए शीघ्र पहचान और उपचार की जरूरत पर जोर देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

यह दिन दुनिया भर में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर कैंसर के नकारात्मक परिणामों को कम करने के लिए सहयोग करने के लिए व्यक्तियों, सरकारों और संगठनों के लिए कार्रवाई का आह्वान भी है।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत बने जोशी

मोटिवेशनल संवाद का किया अनुकरणीय प्रयोग

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

नशाखोरी के खिलाफ किया काम

तमाम राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय सम्मान पा चुके है ललित

250 अनाथ बच्चों को दिया सहारा

400 बच्चों को उद्यमी बनाने का प्रयास

देहरादून। उत्तराखण्ड के युवाओं के साथ समाज में बदलाव लाने के लिए मोटिवेशनल संवाद प्रारम्भ कर दिया जिसमें उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशाखोरी को लेकर लगभग 800 से अधिक स्कूलों में जाकर लगभग 5 लाख से अधिक युवाओं को समाज मे फेल रहे सामाजिक कुरूतियों के खिलाफ बिगुल फूकने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को जहां एक ओर व्यशनमुक्त रहने के लिए आह्वान किया वही अभाव में रहकर कठोर परिश्रम, लगन, मेहनत और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अनुशान मे रहकर कैसे अपनी मंजिल को पाया जाता है इस विषय को लेकर युवाओं को नई दिशा देने का काम हर साल 30 से अधिक अनाथ बच्चों को निशुल्क पढ़ाकर अभी तक 250 अनाथ बच्चों का सहारा बन चुके है। आज अपने संस्थान में 400 छात्र छात्राओं को पैरामेडिकल ओर हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में स्वद्यमी बनाने का प्रयास कर रहे है। अपने सरल व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच की वजह से आज राज्य देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर में अनेक सम्मान प्राप्त कर चुके ललित जोशी 32 वर्ष की आयु में पूरे देश के युवाओं के लिए एक मिसाल बन चुके है। किया। बाद में देहरादून में स्वयं अपना महाविद्यालय खोलकर अभी तक 700 से अधिक युवाओं को हॉस्पिटैलिटी ओर टूरिजम में क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में रोजगार देने का काम कर रहे है।

नशे के खिलाफ युवा संवाद का आगाज

नशा बना रहा है युवाओं को खोखला : जोशी

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

» भगवानपुर में 1200 छात्र छात्राओं ने संवाद में किया प्रतिभाग

देहरादून। आज मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखण्ड और सजग इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हरिद्वार जनपद के बुग्गावाला में गुरुतेग बहादुर इंटर कॉलेज और बीडी इंटर कॉलेज भगवानपुर में लगभग 1200 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डा. शुशील राना द्वारा किया गया।

इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष समाजसेवी अधिवक्ता ललित जोशी ने कहा कि आज नशा युवाओं की दशा और दिशा को बिगाड़ने का काम कर रहा है। नशे के दुष्प्रभाव से युवा अंदर से खोखला बन रहा है और युवा पीढ़ी गर्त की ओर अग्रसर है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि हम सब को मिलकर इस नशा रूपी राक्षस को नष्ट करना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से छत्र छात्राओं में शिवानी सैनी, सिमरन सैनी, आइसा, जुनेद समेत, गुरमीत, हिमांशु, अक्षय, अजय, नगमा मलिक समेत अनेक छात्र छात्राओं ने युवाओं की दशा और दिशा आतंक का हथियार नशा विषय मे अपनी बात रखी और इन सभी छात्र छात्राओं को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी भगवानपुर भीकम सिंह, प्रधानाचार्य संजय गर्ग, प्रधानाचार्य बुग्गावाला डीसीभट्ट, रजत बोखण्डी, संजय पाल, कुमारी ललिता, कलीराम, मीना पांडेय, सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपनी बात रखी ओर सभी ने अंत मे व्यशन मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

पांच लाख लोगों को नशा विरोधी अभियान से जोड़ा: जोशी

नगर संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समितिके प्रदेश अध्यक्ष ललित मोहन जोशी ने कहा कि उनकी संस्था द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से पांच लाख युवाओं को जोड़ है। इस अभियान की शुरुआत करने वाले डीआईजी पुष्पक ज्योति समेत कई लोगों

❑डीआईजी समेत कई लोगों को किया गया सम्मानित

कों संस्था ने आज सम्मानित भी किया।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि संस्था ने राज्यके सभी जिलों में नशे के खिलाफ अभियान चलाकर ड़ेढ हजार शिक्षण संस्थाओं में लोगों को जागरुक कार्यक्रम आयोजित कर करीब पांच लाख युवाओं को इस अभियान से जोड़ा गया है।

इसकी मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से मुक्ति दिलाना है। उन्होंने कहा दो अक्टूबर से 24 दिसंबर तक 250 स्कूलों में नशाखोली के खिलाफ एवं पर्यावरण संरक्षण तथा हिमालय बचाओं के प्रति युवाओं को जागरुक किया गया।

इस मौके पर संस्था ने डीआईजी पुष्पक ज्योति, एसपी सिटी प्रदीप राय, अपना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरोत्तम भट्ट, संजय श्रीवास्तव, डीएवी कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष शुभम सिमल्टी, महासचिव आकाश गौड़, यूआर नवीन नेगी, विकास ग्रुप के संस्थापक विकास नेगी, राकेश काला, मनोचिकित्सक मुकुल शर्मा , आर्यन के संस्थापक राकेश नेगी समेत कई युवाओं को सम्मानित किया गया।

नशे के खिलाफ जागरुकता जरूरी

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से युवाओं की दशा और दिशा, आतंक का हथियार नशा विषय पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने की बात कही। बृहस्पतिवार को प्रेस क्लब में आयोजित गोष्ठी में डीआईजी पुष्पक ज्योति ने कहा कि नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक होने के साथ ही दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए।

बच्चे सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल न करें और नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें, इसके लिए अभिभावकों को ध्यान देना चाहिए। एसपी सिटी प्रदीप राय ने कहा कि जागरुकता ही वर्तमान पीढ़ी को नशे से दूर ले जा सकती है। मनोवैज्ञानिक डॉ. मुकुल शर्म ने कहा कि शुरू से ही बच्चों पर नजर रखनी चाहिए। समाजसेवी पुरुषोत्तम और संजय श्रीवास्तव ने कहा कि सभी को नशा नहीं करने का संकल्प लेना चाहिए।

डीएवी के छात्रसंघ अध्यक्ष शुभम सिमल्टी ने छात्रनेताओं को भी नशे के खिलाफ आगे को कहा। समिति के अध्यक्ष ललित जोशी ने बताया कि दो अक्तूबर से 24 दिसंबर तक पर्यावरण संरक्षण और नशे के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए युवा संवाद करेगी। इसमें 250 छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे।

राज्य को नशा मुक्त करना जरूरी : पुष्पक

2 अक्टूबर से होगा प्रदेश स्तरीय युवा संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। डीआईजी गढवाल पुष्पक ज्योति ने कहा है कि आज के परिवेश में राज्य को नशे से मुक्त करने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी को सजग रहना होगा। इसी कड़ी में 2 अक्टूबर से 24 दिसम्बर तक प्रदेश स्तरीय युवा संवाद किये जाएंगे।

पत्रकारों से बातचीत में डीआईजी पुष्पक ज्योति ने कहा कि युवाओं की दशा व दिशा, आतंक का हथियार नशा, प्रदेश स्तरीय युवा संवाद का आयोजन प्रदेश भर में मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड कर रही है और संपूर्ण प्रदेश में पिछले 6 वर्ष में 1500 से अधिक शिक्षण संस्थानों में 5 लाख अधिक छात्र-छात्राओं के बीच नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष 2 अक्टूबर 2017 से 24 दिसम्बर तक प्रदेश स्तरीय युवा संवाद किये जा रहे है और युवाओं की दशा और दिशा, आंतक का हथियार नशा पर संपूर्ण प्रदेश में युवा संवाद अभियान चलाया जायेगा। इस अवसर पर एसपी सिटी प्रदीप राय, पुरूषोत्तम भट्ट, संजय , डा. मुकुल वर्मा, सचिन थपलियाल, आकाश गौड, शुभम सिमल्टी, पवन शर्मा आदि मौजूद रहे।

नशामुक्त बनाने के लिए लिया संकल्प

युवाओं ने पलायन पर भी व्यक्त की गम्भीर चिंता

»

संस्कृति और सभ्यता को बचाने पर विचार रखे

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarabharatlive.com

देहरादून। राष्ट्र स्तरीय युवा संवाद कार्यक्रम मानवाधिकार संरक्षण समिति और सजग इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं के मध्य युवा संवाद के रूप में हुआ कार्यक्रम का शुभारम्भ समिति के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी के विचारों से प्रारम्भ हुआ जिसमे उन्होंने राष्ट्र प्रेम, नशाखोरी,माता पिता के प्रति आज के युवाओं का कर्तब्य और देश की सुरक्षा में लगे जवान तथा देश की ज्वलंत समस्याओं में जलए जंगल, जमीन, जन शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, पलायन, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा संस्कृति और सभ्यता के बिषयों पर अपने विचार रखे तथा युवाओं को जागरूक कियायुवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं में भी खुलकर अपने विचार रखे जिसमे राष्ट्र सुरक्षा में युवाओं की भूमिका और अन्य संवाद से जुड़े हर विषय पर अपने अपने विचार रख कुछ युवाओं ने पलायन पर गम्भीर चिंता भी ब्यक्त की तो कुछ ने संस्कृति और संभ्यता को बचाने की बात अपने विचारों के रूप में रखी कार्यक्रम के समापन के अवसर पर प्रतिभाग करने वाले विशिष्ठ सभी स्कूलों के बच्चों को समिति के माध्यम से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की प्रधानाचार्य भावना, शिक्षकों में गोविन्द सिंह, शिल्पा जुयाल, रेनू रावत, कमल किशोर तिवारी, एसपी जोशी, अखिलेश भट्ट सहित सजग इंडिया टीम के कोडिनेटर सुभाष बिजल्वाण, गणेश नैथानी ने अपने विचार रखे। दौरान कार्यक्रम में लगभग 2000 से भी अधिक बच्चों ने नशामुक्त एवं स्वच्छ भारत बनाने की प्रतिज्ञा ली और मानवाधिकार समिति की

मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति उत्तराखंड और सजग इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में एसजीआरआर नेहरूग्राम में युवा संवाद में हिस्सा लेते छात्र-छात्राएं।

नशामुक्त एवं स्वच्छ भारत बनाने का लिया संकल्प

कार्यक्रम

- एसजीआरआर इंटर कॉलेज नेहरूग्राम में 'युवा संवाद'
- छात्र-छात्राओं को नशे के खिलाफ किया गया जागरूक

जागरण संवाददाता, देहरादून: मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति और सजग इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में एसजीआरआर इंटर कॉलेज नेहरूग्राम में 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित हुआ। छात्रों ने नशामुक्त एवं स्वच्छ भारत बनाने की प्रतिज्ञा ली। समिति के अध्यक्ष ललित जोशी ने कहा कि युवा पीढ़ी को ऐसे राजनेताओं का बहिष्कार करना चाहिए जो चुनाव के दौरान नशा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों के कलबों से निकलकर नशा अब गांव की तंग गलियों तक पहुंच चुका है। राजधानी में भी बेखौफ नशा बेचा जा रहा है। यदि आज हम सजग न हुए तो हमारा युवा भारत का सपना सिर्फ नाम भर के लिए रह जाएगा।

उन्होंने राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, समाज में नशाखोरी, माता-पिता के प्रति युवाओं का कर्तव्य व देश की सुरक्षा में लगे जवान के प्रति सम्मान और देश की ज्वलंत समस्याओं में शिक्षा , स्वास्थ्य, पलायन, सुशासन, कानून व्यवस्था, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा संस्कृति और सभ्यता के विषयों पर अपने विचार रखे। इस दौरान युवाओं ने पलायन पर गंभीर चिंता भी व्यक्त की तो कुछ ने संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को बचाने की बात कही। युवाओं ने देश की वर्तमान समय में युवा संवाद में निर्भीकता से अपनी राय रखी। समापन अवसर पर संवाद में प्रतिभाग करने वाले छात्रों को समिति के माध्यम से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य किशोर सिंह घुग्तियाल ने समिति के कार्यों को सराहा व युवाओं के लिए इस संवाद को जागरूकतापरक बताया। इस दौरान प्रतिभा पाठक, प्रद्युमन सिंह रावत, अंजू ममगाईं, अन्नपूर्णा नौटियाल, बेला अग्रवाल, अल्का डनियाल, राजेंद्र प्रसाद सहित कई अध्यापकों ने अपने विचार रखे।

नशाखोरी को रोकने का आहवान

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

» युवा संवाद में उमड़ा स्कूली बच्चों का जनसैलाब

देहरादून। गुरु राम राय पब्लिक स्कूल रेसकोर्स में मानवाधिकार संरक्षण समिति और सजग इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्र स्तरीय युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षक आरके नौटियाल ने अतिथियों का स्वागत किया और समिति के अभियान की प्रशंसा की। इस अवसर पर संवाद समिति के अध्यक्ष ललित जोशी राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, समाज में बच्चों में फैल रही नशाखोरी, बच्चों की सुरक्षा तथा संस्कृति और सभ्यता के विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों के हाई फाई क्लब से निकलकर ये नशा अब गांव की तंग गलियों तक पहुंच चुका है। युवा ही नहीं नाबालिग बच्चे भी इस नशे के जद में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब छोटे छोटे मासूम बच्चे भी नशे की ओर आकर्षित होने लगे है। स्कूल की प्रधानाचार्या प्रतिभा अत्रि, शिक्षका राखी बहुगुणा, डीएस नेगी सहित सभी बच्चों से कहा कि नशे को ना तथा जिन्दगी को हां देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में लगभग 3000 से भी अधिक बच्चों ने व्यसनमुक्त भारत बनाने की प्रतिज्ञा ली और कई छात्रों ने समिति की सदस्यता ग्रहण की।